प्रेस विज्ञप्ति

आज दिनांक 24 दिसम्बर, 2017 को किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय के 113 वें स्थापना दिवस समारोह का भव्य आयोजन सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि **प्रो0 रनदीप गुलेरिया**, निदेशक अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली तथा विशिष्ट अतिथि **प्रो0 अनिल कुमार त्रिपाठी**, निदेशक, वैऔअप-केन्द्रीय औषधीय एवं सगंध पौध संस्थान, लखनऊ, **पद्म भूषण प्रो0 बी0एम0 हेगड़े**, चेयरमैन वर्ल्ड एकेडमी ऑफ ऑर्थेंटिक हीलिंग साइंसेज, मैंगलुरू, कर्नाटक एवं चिकित्सा विश्वविद्यालय के मा0 कुलपति प्रो0 मदनलाल ब्रह्म भट्ट जी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ मा0 कुलपति प्रो0 मदनलाल ब्रह्म भट्ट जी के स्वागत सम्बोधन के साथ हुआ। इस अवसर पर मा0 कुलपति जी द्वारा चिकित्सा विश्वविद्यालय की वार्षिक प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत किया गया। मा0 कुलपति जी ने अपने सम्बोंधन में कहा कि चिकित्सा विश्वविद्यालय 100 वर्षो से ज्यादा पुराना चिकित्सा शिक्षा संस्थान है। चिकित्सा विश्वविद्यालय को आाउट लूक प्रत्रिका द्वारा 2017 के लिए **5 वां** बेस्ट एम0बी0बी0एस0 और **6 वां** बेस्ट बी0डी0एस0 शैक्षणिक संस्थान के रूप में रैंक प्रदान किया गया है। राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद द्वारा चिकित्सा विश्वविद्यालय को **'ए'** ग्रेड का प्रमाण पत्र प्रदान किया गया है। भारत सरकार के मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालय द्वारा चिकित्सा विश्वविद्यालय को देश के 1000 विश्वविद्यालयवों में उन 32 संस्थानों मे शामिल किया गया है जिनमे से 10 को इंस्टीट्यूट ऑफ इमिनेंस प्रदान किया जाना है। उ0प्र0 सरकार द्वारा चिकित्सा विश्वविद्यालय के लिए कुल 355 करोड़ की धनराशि स्वीकृत की गई है और वर्तमान वित्तिय वर्ष के लिए 155 करोड धनराशि प्रदान की गई है। इस वर्ष चिकित्सा विश्वविद्यालय में 91,572 मरीजों को भर्ती किया गया जबकि ओ0पी0डी0 में 14,06,007 मरीजो को देखा गया है। चिकित्सा विश्वविद्यालय में सोलर पॉवर स्टेशन, सोलर किचन, सीता रसोई, आई बैंक, वायरस रिसर्च एण्ड डायग्नोस्टिक स्टेट रिफरेंस लैबोरेटरी, ई-हास्पिटल सिस्टम को स्थापित किया जा चुका है। निकट भविष्य में स्टेम सेल बैंक को स्थापित करने की प्रक्रिया चल रही है। प्रदेश के मेडिकल संस्थानों में सबसे ज्यादा वेंटिलेटर सेटअप केजीएमयू के पास है, 25 बेड की आई0सी0यू0, बर्न यूनिट, जेनेटिक लैब आदि सुविधाएं मौजूद है। 33 नये संकाय सदस्यों की चिकित्सा विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों में नियुक्ति की गई है।

कार्यक्रम में प्रो0 रनदीप गुलेरिया द्वारा अपने व्याख्यान मे कहा गया कि इस चिकित्सा विश्वविद्यालय का नाम देश के साथ विदेशों मे भी काफी प्रचलित हैं। यहां के पढ़े हुए विद्यार्थी विश्व के हर कोने मे फैले हुए है। प्रो0 गुलेरिया द्वारा मेडल प्राप्त करने वाले मेधावियों को आशिर्वाद दिया गया तथा उन्होनें इनके उज्जवल भविष्य की कामना की। उन्होनें कहा की यह मेडल आप लोगो को मिला है वो आप लोगो को यह जिम्मेदारी देता है कि आप लोग इस संसार में कुछ नया करें, कुछ नये शोध करें। जीवन में आगे आप लोगो के लिए यह महत्वपूर्ण हैं कि आप लोग मरीजो के साथ कैसे इण्टरैक्ट करते है, अपका व्यवहार उनके प्रति क्या होता है। अगर आप मरीजो के साथ सही से इण्टरैक्ट करेंगे तो आप मरीजो की बीमारी को जल्द पहचान सकेंगे। यह आप को डायग्नोसिस में मदद देता है। सबसे जरूरी है कि आप लोग मेडिसिन को पैसा कमाने का जरिया न बनाएं यह एक आदर्श व्यवासाय है इसके माध्यम से आप लोगो समाज का और मरीजो की सेवा कर सकते है।

स्थापना दिवस के अवसर पर 69 गोल्ड मेडल (43 मेडिकल और 26 डेंटल), 49 शिल्वर मेडल (24 मेडिकल और 25 डेंटल), 8 ब्राउंज मेडल (4 मेडिकल एवं 4 डेंटल), सर्टिफिकेट ऑफ ऑनर विथ डिस्टिक्शन 36 मेडिकल एवं 41 डेंटल, सर्टिफिकेट ऑफ आनर 3 मेडिकल एवं 5 डेण्टल, 08 बूक प्राईज (7 मेडिकल एवं 1 डेंटल), 9 श्री डी0डी0 ट्रस्ट बूक प्राइज रू0 10000 एवं नर्सिंग के विद्यार्थियों के लिए एक गोल्ड मेडल एवं एक कैस प्राईज प्रदान किया गया। इसके अतिरिक्त स्थपना दिवस के अवसर पर चिकित्सा विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों, एवं कर्मचारियों को प्रोत्साहन पुरस्कार प्रदान किया गया।

कार्यक्रम में प्रो0 अनिल कुमार त्रिपाठी ने अपने सम्बोधन में कहा कि किसी भी संस्थान को लगातार 112 वर्षो तक मेन स्ट्रीम मे बनाए रखना एक बड़ी उपलब्धि है इसके लिए मै सम्पूर्ण केजीएमयू टीम को बधाई देता हूँ। इस संस्थान के

एल्मुनाई पूरे विश्व में फैले हुए है। विश्व में बहुत सारै पैथ है जैसे होमियोपैथ, आयुर्वेद, यूनानी, माडर्न मेडिसनि आदि । पारम्परिक विधि के मेडिसिन विभिन्न प्रकार के मेडिसिनल पौधों पर आधारित है। आयुर्वेदा द्वारा 4000 वर्षो से हम भारतीय अपने स्वास्थ संबंधी समस्याओं से निजात पा रहे है। बहुत सारे मर्जों की दवाएं आयुर्वेदा एवं अन्य ट्रेडिशनल मेडिसिन में है बस जरूरत है तो यह कि के0जी0एम0यू0 जैसे संस्थान इनकों अपनाएं और इनका ट्रायल करें।

कार्यक्रम में प्रो0 बी0एम0 हेगड़े द्वारा छात्रों को समझाया गया कि आप अपने आप को किसी एक क्षेत्र में संकुचित न करें। अमेरिका में लोग अब मेडिसिनल प्लाण्टों की तरफ जा रहे है, वो लोग विभिन्न प्रकार के मेडिसिनल प्लाण्ट को खोजने अमेजन के जंगलों मे जा रहे है। जीवन में सफलता उसी को मिलती है जो कभी भी हार मानकर अपना रास्ता नही बदलता। आप लोग एक आदर्श चिकित्सक बनें, जब तक मानवता की भावना आप लोगो में नही होगी तब तक आप लोग एक अच्छे चिक्त्सिक नही बन सकते है।

कार्यक्रम में प्रो0 गिरिश कुमार सिंह, विभागाध्यक्ष, अर्थोपेडिक सर्जरी ने छात्रों को सम्बोधीत करते हुए कहा कि लोगो से प्यार करना सीखिए, लोगो से प्यार करिए और सबके प्यारे बन जाइए। आप लोग के0जी0एम0यू0 का नाम झुकने नही देंगे। आप लोगों का अवतार संसार में खुशियां बाटने के लिए हुआ है। जीवन उसका जीवन है जो दुसरे को खुशियां देता है। अप अपने भूत काल से दुख और भविष्य से तनाव न लें। जब आप अपने हृदय में प्रेम और मानवता रखेंगे तो दुनिया में ऐसी कोई ताकत नही जो आप लोगो को रोक सके।

उपरोक्त कार्यक्रमों में प्रो0 टी0सी0 गोयल द्वारा रचित किताब फाईलेरियासिस, डेफ्ट डीफिनिशन, डॉ0 रामेश्वरी सिंघल- फंडामेण्टल ऑफ पेरियोडोन्टोलॉजी, प्रो0 सूर्य कांत, विभागाध्यक्ष, रेस्पिरेटरी मेडिसिन विभाग द्वारा लिखित किताब ‘ ए प्रैक्टिकल बुक ऑफ लंग कैंसर, प्रो0 अजय सिंह, विभागाध्यक्ष, पीडियाट्रिक अर्थोपेडिक सर्जरी विभाग द्वारा द्वारा लिखित पुस्तक ‘पीडियाट्रिक ट्रामा एवं प्रो0 विभा सिंह, मैक्सिलोफेसियल सर्जरी विभाग द्वारा लिखित पुस्तक औषधीय पौधे और हम’ का विमोचन किया गया।

कार्यक्रम में स्त्री एवं प्रसुति रोग विभाग स्थित एनएनयू वार्ड में बेस्ट वायोमेडिकल वेस्ट मैनेजमेण्ट एवं हेण्ड हाईजीन तथा पोस्ट ग्रेजुएट क्लिनिक, डिपार्टमेण्ट ऑफ पीडियाट्रिक्स एण्ड पीडियाट्रिक डेन्टिस्ट्री को एक्सिलेंस वेस्ट मैनेजमेण्ट एवं हैण्डहाइजीन के लिए सम्मानित किया गया एवं कर्मचारियों में श्री विकास कुमार सिंह, ट्रांसफ्यूजन मेडिसिनि विभाग, श्री संतोष मौर्या, नियुक्ति अनुभाग, श्री हुकूम सिंह नेगी, बी0सेक्सन, कुलसचिव कार्यालय एवं श्री प्रदीप गंगवार, स्टॉफ नर्स, कार्डियोलॉजी को उत्कृष्ट कार्यो के लिए प्रोत्साहन पुरस्कार दिया गया।

कार्यक्रम में प्रो0 विनीता दास, अधिष्ठाता चिकित्सा संकाय, प्रो0 शादाब मोहम्मद, अधिष्ठाता दंत संकाय, प्रो0 मधुमती गोयल, अधिष्ठाता नर्सिंग संकाय, प्रो0 विनोद जैन, अधिष्ठाता दंत संकाय सहित चिकित्सा विश्वविद्यालय के सी0एम0एस0 प्रो0 एस0एन0 शंखवार, एम0एस0, प्रो0 विजय कुमार सहित विभिन्न संकायों के संकाय सदस्य एवं विद्यार्थी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

(प्रो0 नरसिंह वर्मा)	(प्रो0 विभा सिंह)	(डॉ0 सुधीर सिंह)
संकाय मीडिया प्रभरी, मीडिया सेल	संकाय मीडिया प्रभारी, मीडिया सेल	सह संकाय मीडिया प्रभारी, मीडिया सेल